आलस्य और अलबेलापन - 65

अव्यक्त बापदादा :- (05.03.2008)

➳ _ ➳ बापदादा ने देखा है कई बच्चे माया को दूर से भगाते नहीं, माया आ जाती, आ जाने दे देते हैं अर्थात् माया के प्रभाव में आ जाते हैं। अगर दूर से नहीं भगाते तो माया की भी आदत पड़ जाती है क्योंकि वह जान जाती है कि यहाँ हमको बैठने देंगे, बैठने देने की निशानी है माया आती है, सोचते हैं कि माया है, लेकिन फिर भी क्या सोचते? अभी सम्पूर्ण थोड़ेही बने हैं, कोई नहीं सम्पूर्ण बना है। अभी तो बन रहे हैं, बन जायेंगे, गें गें करने लग जाते हैं तो माया को बैठने की आदत पड़ जाती है। तो आज जन्मदिन तो मना रहे हैं, बाप भी दुआयें, मुबारक तोदे रहे लेकिन बाप हर एक बच्चे को लास्ट नम्बर वाले बच्चे को भी किस रूप देखने चाहते हैं? लास्ट नम्बर भी बाप का प्यारा तो है ना!

➳ _ ➳ तो बाप लास्ट नम्बर वाले बच्चे को भी सदा गुलाब देखने चाहते हैं, खिला हुआ। मुरझाया हुआ नहीं। मुरझाने का कारण है थोड़ा सा अलबेलापन हो जायेगा, देख लेंगे, कर ही लेंगे, पहुंच ही जायेंगे तो यह गें गें की भाषा नीचे गिरा देती है। तो चेक करो - कितना समय बीत गया, अभी समय की समीपता का और अचानक होने का इशारा तो बापदादा ने दे ही दिया है, दे रहा है नहीं दे ही दिया है। ऐसे समय के लिए एवररेडी, अलर्ट आवश्यक है।

➳ _ ➳ अलर्ट रहने के लिए चेक करो - हमारा मन और बुद्धि सदा क्लीन और क्लियर है? क्लीन भी चाहिए, क्लियर भी चाहिए। इसके लिए समय पर विजय प्राप्त करने के लिए मन में, बुद्धि में कैचिंग पावर और टचिंग पावर दोनों बहुत आवश्यक हैं। ऐसे सरकमस्टांश आने हैं जो कहाँ दूर भी बैठे हो लेकिन क्लीन और क्लियर मन और बुद्धि होगा तो बाप का इशारा, डायरेक्शन, श्रीमत जो मिलनी है, वह कैच कर सकेंगे। टच होगा यह करना है, यह नहीं करना है। सीलिए बापदादा ने पहले भी सुनाया है तो वर्तमान समय साइलेन्स की शक्ति अपने पास जितनी हो सके जमा करो।

➳ _ ➳ जब चाहो, जैसे चाहो वैसे मन और बुद्धि को कन्ट्रोल कर सको। व्यर्थ संकल्प स्वप्न में भी टच नहीं करे, ऐसा माइन्ड कन्ट्रोल चाहिए। इसीलिए कहावत है मन जीते जगतजीत जैसे स्थूल कर्मेन्द्रिय हाथ है, जहाँ चाहो जब तक चाहो तब तक आर्डर से चला सकते हो। ऐसे मन और बुद्धि की कन्ट्रोलिंग पावर आत्मा में हर समय इमर्ज हो। ऐसे नहीं योग के समय अनुभव होता है लेकिन कर्म के समय, व्यवहार के समय, सम्बन्ध के समय अनुभव कम हो। अचानक पेपर आने हैं क्योंकि फाइनल रिजल्ट के पहले भी बीच-बीच में पेपर लिये जाते हैं। बापदादा ने देखा है जो हिम्मत रखते हैं, उनको बाप की मदद का अनुभव होता जरूर है। लेकिन अलबेलापन बीच में आता है, यह तो होता ही है। तीव्र पुरुषार्थ के बजाए कभी पुरुषार्थी,

कभी तीव्र पुरुषार्थी बन जाते हैं। सदा तीव्रपुरुषार्थ की लहर स्वयं में भी और सर्व को भी दिलावे, यह नहीं समझो हम तो ठीक चल रहे हैं। एक दो को सहयोग देके संगठित रूप में नम्बरवन बनें। कैसा भी गिरा हुआ हो, उसको भी साथी बनाके चलना सिखाओ। सहयोगी बनो।

➢➢ माया संकल्प के रूप में आती है... संकल्प की पालना की, उसे आने दिया तो वह बार बार आएगा और गिराएगा...

➳_ ➳ संकल्प के साथ भावनाएं जुड़ जाती हैं, जिससे माया और भी प्रबल हो जाती है...

➢➢ उस संकल्प पर कण्ट्रोल के लिए 7 'S'

➳_ ➳ STOP/ ORDER देना

→ जितना आत्मा राजा बनकर, सीट पर बैठकर, प्रभावशाली ढंग से आर्डर देंगे, उतना ही उसका प्रभाव पड़ेगा...

➳_ ➳ SWAPE/ REPLACE करना

→ उसके विरोधी विचारों से उसे काटना...

→ श्रेष्ठ संकल्प की तलवार निकालना और उसे काटना...

→ बदले के संकल्प आये तो याद करना कि हम मास्टर क्षमा के सागर हैं...

➳_ ➳ SWITCH

→ स्थान चेंज करना, कहीं और चले जाना...

→ जहाँ ज्ञान चर्चा हो, ब्राह्मणों की सभा हो, उसमें शामिल हो जाना...

➳_ ➳ SHHH

→ सो जाना या योग करना...

→ योग तब लगेगा, जब एलर्ट व् एवररेडी होंगे.. युद्ध के लिए पहले से ही तयारी चाहिए...

➳_ ➳ SONG

→ उदास हो जाओ तो बाबा के अच्छे अच्छे गीत सुनो...

→ बाबा ने एक बार विदेशियों से कहा था कि उदास हो जाओ तो बाथरूम में जाकर डांस भी कर सकते हैं...

➳_ ➳ SPECULATE

→ ये सोचना कि ज्यादा से ज्यादा बुरा क्या हो सकता है...

→ फिर उसका समाधान सोचना...

➳_ ➳ SHARE

→ भगवान बैठा है तुम्हारी हर बात सुनने के लिए.. उससे शेयर करना...

→ यग्य की किसी महान विभूति से शेयर करना... स्वयं को हल्का करना...

➢➢ कौनसी भाषा बाप को पसंद नहीं है...

➳_ ➳ गे गे की भाषा

➳_ ➳ ले ले की भाषा

➢➢ कौनसी भाषा बाप को पसंद है...

➳_ ➳ करना ही है, हुआ ही पड़ा है.. की भाषा

➳_ ➳ सदा की भाषा

➳_ ➳ हाँ जी की भाषा

➳_ ➳ निश्चय की, दृढ संकल्प, आत्म विशवास की भाषा

➳_ ➳ प्रेम की भाषा

➳_ ➳ लम्बेकाल, बहुतकाल, निरंतर की भाषा